प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विष्व पुस्तक मेला 2020

दिनांक 09 जनवरी, 2020

बाल मंडपः–

विश्व पुस्तक मेला के आज छठे दिन की शुरुआत बाल मंडप में बच्चों के लिए ड्राइंग व पेंटिंग कार्यशाला से हुई। विषय था,– 'चलो,गांधी का चित्र बनायें'। जाने–माने कलाकार श्री देव व्रत सरकार व लेखक सुश्री दीपा अग्रवाल की देखरेख में दर्शन अकादेमी, सलाम बालक ट्रस्ट तथा राजीव गांधी फाउंडेशन से बड़ी संख्या में आए बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर सुश्री दीपा अग्रवाल ने दांडी मार्च और स्वतंत्रता संग्राम में गांधी की भूमिका के बारे में बताया। दूसरे सत्र में दर्शन अकादेमी द्वारा कहानी लेखन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस सत्र में बच्चों ने बहुत दिलचस्पी ली क्योंकि कहानी लेखन के माध्यम से उन्हें अपनी कल्पना को साकार करने का मौका दिया गया था। इस अवसर पर अंसल विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष श्री आर. एन. मालवीय उपस्थित थे। संचालन दर्शन अकादेमी की पुस्तकालयाध्यक्ष सुश्री ममता अमरपुरी ने किया।

आज वंडररूम व गांधी फाउंडेशन की ओर से एक नाटक 'पर हमें खेलना है' का मंचन किया गया। श्रीरंग गोडबोले द्वारा लिखित यह नाटक मुंबई विस्फोटों के तुरंत बाद हुई घटनाओं पर आधारित था। बच्चों ने दंगों की व्यंगात्मक प्रस्तुति का खूब आनंद लिया।

सर्वोदय बाल विद्यालय द्वारा बहादुरी पुरस्कार विजेता बच्चों के साथ संवाद–सत्र का आयोजन हुआ। इस सत्र का संचालन बच्चों के लेखक श्री रजनीकांत शुक्ल द्वारा किया गया। प्रमुख वक्ता थे– श्री हरिश्चंद्र मेहरा, अक्षित व सुश्री महिका गुप्ता।

ऑथर्स कॉर्नरः–

हॉल संख्या–8 में स्थित ऑथर्स कॉर्नर में **साहित्य अकादेमी** द्वारा उत्तर–पूर्वी तथा उत्तर क्षेत्रीय लेखक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रमुख लेखकों व कवियों में प्रमुख थे– श्री मधु आचार्य, श्री संजीव पाल डेका, श्री चरन सिंह पथिक, श्री सालिम सलीम, श्री गगनदीप शर्मा व जितेन ओइनाम्बा। श्री संजीव पाल डेका ने अंग्रेजी में तथा श्री चरन सिंह ने हिंदी में एक–एक लघु कहानी श्रोताओं को सुनाई।

एक अन्य कार्यक्रम में अमरदीप थिंड की पुस्तक 'द सीक्रेट ऑफ विनिंग' का **लोकार्पण** किया गया। पुस्तक पर चर्चा के दौरान लेखक अमरदीप ने कहा कि जब आप अपने तरीके से भय से मुक्ति पा लेते हैं, तभी आप विजयी कहलाते हैं। इस चर्चा में डॉ. प्रीति नंदा सिब्बल, अमित चावला, आशुतोष के.कांत, गुरुप्रीत, सुरुचि शर्मा व दिनेश वर्मा आदि ने भाग लिया।

जारी.....

लेखक मंचः–

'केंद्रीय हिंदी निदेशालय' के द्वारा सूचनात्मक **संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चार श्रेणियों– द्विभाषा कोश, त्रिभाषा कोश, वार्तालाप पुस्तक तथा विदेश भाषा वार्तालाप के कोशों पर बात की गई। तीन नूतन प्रकाशन पंजाबी–हिंदी कोश, गुजराती–हिंदी कोश तथा वृहत हिंदी कोश पर विशेष चर्चा हुई। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री श्याम सिंह शशि, अवनीश कुमार वक्ता के रूप में दीपक पांडे, किरण झा, प्रो. योगेन्द्र नाथ शर्मा उपस्थित थे। समारोह में निदेशालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल 'हिन्दीभाषावाणी' तथा कोश योजना,शब्दावली योजना, परिभाषा कोश योजना के बारे में सूचना देते हुए अष्टम सूची में शामिल भाषाओं व विदेशी भाषाओं के आपसी संवाद बढ़ाने पर चर्चा हुई। पद्मश्री श्याम सिंह ने निदेशालय द्वारा निर्मित शब्दों के प्रचलन तथा 'सामाजिक विज्ञान हिंदी कोश' के छठे भाग को निकालने का सुझाव दिया। शरद आलोक की पुस्तक 'प्रवासी का अंतर्द्वंद' का भी लोकार्पण हुआ। मो. नसीम ने कार्यक्रम का संचालन किया।

'केंद्रीय हिंदी संस्थान' द्वारा 'हिंदी की समृद्धि भारतीय भाषाओं के साथ' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। 'केंद्रीय हिंदी शिक्षण' मंडल के उपाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर गोयनका की अध्यक्षता में सम्पन्न इस परिचर्चा में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चन्दन कुमार तथा वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री अतुल कोठारी वक्ता के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. चंदन कुमार की पुस्तक 'संवाद यात्रा' का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. महेंद्र सिंह राणा ने किया।

किताबघर प्रकाशन द्वारा साहित्य अकादेमी से सम्मानित प्रसिद्ध लेखिका **नासिरा शर्मा** के उपन्यास 'कागज की नाव' पर **परिचर्चा** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा पांडे ने किया।

थीम पवेलियनः–

थीम पवेलियन में आज भारत सरकार के न्याय विभाग, **विधि एवं न्याय मंत्रालय** द्वारा एक **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य लोगों को भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। प्रश्नोत्तरी के उपरांत कानूनी सलाहकार शिखा हुंडल द्वारा एक परिचर्चा प्रारंभ की गई। इसमें कंवलजीत अरोड़ा, चंद्रजीत, नम्रता अग्रवाल, नुसरत खान, मारिया फरीदी आदि कानूनी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में नेशनल लॉ कॉलेज, रांची के छात्र विनीश व कामरा ने भी हिस्सा लिया। क्विज प्रतियोगिता में सीनियर बॉयज स्कूल, वसंत कुंज व इंद्रपुरी के बच्चों ने भाग लिया।

सेमिनार हॉलः–

मेला स्थल के हॉल संख्या–8 के में 'महात्मा गांधी और हिंदी' विषय पर नागरी लिपि परिषद द्वारा एक **परिचर्चा** आयोजित की गई। हिंदी के विकास में गांधी का योगदान परिचर्चा का केंद्रीय विषय था। वक्ताओं ने बताया कि कैसे गांधी ने अपने विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया। युवाओं में हिंदी के प्रयोग के प्रति बढ़ती उदासीनता पर वक्ताओं ने गहरी चिंता प्रकट की। परिचर्चा में डॉ. पांचाल, नारायण कुमार, आचार्य ओम प्रकाश, श्याम सुंदर कठूरिया व रा.पु.न्यास के उपनिदेशक राकेश कुमार ने भाग लिया। संचालन डॉ. हरी कुमार ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

की ओर से जारी